कंदमूल से लेकर मशीनरी तक में यूपी का सिक्का, 12 गुना तक बढ़ा निर्यात

खाने-पीने की चीजों के निर्यात में बड़ा उछाल

99

श्रेणियों में होता है निर्यात हर श्रेणी में दर्जनों उत्पाद

अभिषेक गुप्ता

लखनऊ। एक तरफ उत्तर प्रदेश का निर्यात तीन साल में दोगुना हो गया है तो दूसरी तरफ निर्यात की प्रकृति में भी अप्रत्याशित बदलाव आए हैं। लेदर, सैडलरी और मीट जैसे पारंपरिक निर्यात सेक्टर से हटकर खाद्य पदार्थों के निर्यात में तेजी आई है। कंदमूल और सब्जी व सब्जी के उत्पादों का निर्यात 12 गुना हो गया है। खाद्य तेल और खाने वाले खनिज की मांग भी यूपी से दुनिया भर में बढ़ी है।

निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो, एग्जिम बैंक (आयात-निर्यात बैंक) और विदेश व्यापार महानिदेशालय के मुताबिक यूपी से करीब 99 श्रेणियों में निर्यात होता है। एक-एक श्रेणी में उत्पादों की संख्या दर्जनों में है। पहले प्रदेश में निर्यात का दारोमदार लेदर, लकड़ी व बर्तन जैसे पारंपरिक सेक्टरों पर ही टिका था। इन सेक्टरों में हलचल का असर पूरे निर्यात पर दिखाई देता था। इसमें बदलाव आया है। अब प्राकृतिक शहद, सब्जी व सब्जी से बने उत्पाद, फल व फलों के उत्पाद, अनाज, माल्ट, मसाले जैसी करीब 14 श्रेणियों में निर्यात काफी बढ़ा है।

दूसरी तरफ इलेक्ट्रिक व इलेक्ट्रिकल जैसे सेक्टरों में पिछले आठ साल में चौंकाने वाली तेजी दर्ज की गई है। खनिज तेज और फार्मा सेक्टर में भी दो से तीन गुना तेजी आई है। लकड़ी व लकड़ी के उत्पाद और चारकोल का निर्यात करीब पांच गुना बढ़ा है। पेपर इंडस्ट्री ने भी विदेशों में पैठ बनाई है। इसका निर्यात आठ साल में दोगुना हो गया है। किताबों और प्रिंटिंग इंडस्ट्री का निर्यात भी इसी अवधि में दोगुना हो गया है। चौंकाने वाला प्रदर्शन तो सिल्क का रहा है, जिसका निर्यात करीब 28 गुना बढ़ा है। इसका निर्यात 9.11 करोड़ से बढ़कर 251.65 करोड़ रुपये हो गया है।

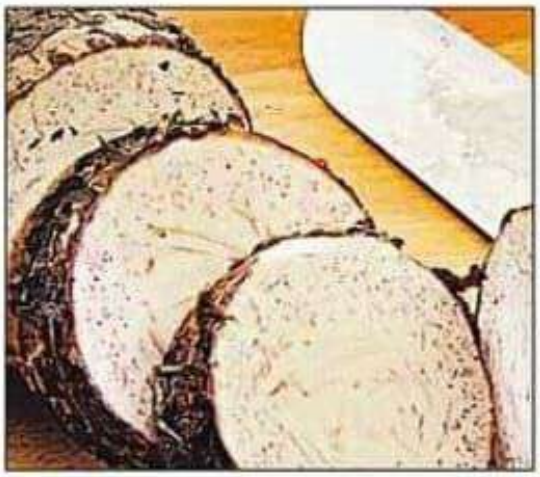

434

करोड़ रुपये हो गया है सब्जियों और कंदमूल का निर्यात

2014-15 में था 35 करोड़ रुपये

कंद मूल तक विदेशों में जा रहा

वर्ष 2014-15 में सब्जियों व कंदमूल का निर्यात 35 करोड़ रुपये था। यह बढ़कर 434 करोड़ रुपये हो गया है यानी लगभग 12 गुना बढ़ गया है। इसी दौरान फलों का निर्यात भी 13.50 करोड़ से बढ़कर 147 करोड़ रुपये हो गया। अनाज की मांग 2,300 करोड़ से उछलकर 5,000 करोड़ रुपये पार कर गई है। सब्जी, एनिमल फैट व तेल का निर्यात आठ करोड़ से बढ़कर 300 करोड़ रुपये हो गया।

- चीनी व चीनी के उत्पादों ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। आठ साल पहले इनका निर्यात करीब 36 करोड़ रुपये था, जो 3500 करोड़ रुपये पहुंच गया। खनिज तेल का निर्यात 968 करोड़ से बढ़कर 2,800 करोड़ रुपये हो गया है।
- टेक्सटाइल में भी यूपी का जलवा है। यहां के कपड़े की मांग पहले विदेशों में लगभग 6,000 करोड़ थी, जो आज बढ़कर 12,000 करोड़ से हो गई।
- इलेक्ट्रिकल मशीनरी और कलपुर्जों की क्वालिटी में भी यूपी के उद्यमियों का सिक्का चल रहा है। इसी का नतीजा है कि पहले 4,600 करोड़ का माल यूपी से जाता था, जो 27 हजार करोड़ रुपये का हो गया है।